JNPA Maintains Operational Stability Amid Evolving Global Conditions; Excels In All Performance Parameters

Mumbai, April 13, 2026: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) - India's Largest Container Port, has demonstrated remarkable operational resilience by maintaining key performance parameters despite ongoing geopolitical disruptions in the Middle East. At a time when global supply chains continue to face uncertainty, JNPA has ensured seamless port operations through proactive planning, efficient resource utilization, and close coordination with stakeholders.

Key highlights are as follows:

- Import container dwell time at JNPA improved significantly, reducing from 25.17 hours in February 2026 to 22.68 hours in March 2026, reflecting enhanced cargo clearance efficiency and streamlined processes.
- Key efficiency-driven initiatives such as Direct Port Delivery (DPD) and Direct Port Entry (DPE) continue to perform strongly, with DPD at 74.57% and DPE at 45.74% during FY 2025–26, ensuring faster cargo movement and reduced congestion.
- The average turnaround time stands at 22.61 hours, highlighting JNPA's ability to maintain optimal vessel handling performance even during challenging conditions.

Despite the substantial surge in transshipment container handling, with volumes increasing from 5% to 16%, JNPA continued to maintain operational efficiency. JN Port is also maintaining adequate storage capacity, with only around 50% of the port container holding space

currently occupied. In addition, an extra 9.2 acres within the port area has been allocated for the storage of export containers, with reefer container occupancy also at 50%.

JNPA has responded proactively through the constitution of a dedicated task force, continuous coordination with terminal operators and stakeholders, and real-time operational monitoring. Targeted measures such as the 'Back to Town' (BTT) movement of tractor trailers, temporary transhipment of cargo, and other decongestion initiatives have ensured operational stability.

About Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA):

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a shallow water berth for general cargo operated by Nhava Sheva Distribution Terminal Pvt. Ltd. (NSDT). A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium and the additional liquid cargo terminal developed by JNPA will be operated by M/s JSW - JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, the 13th Major Port of India in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be a 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:

Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +91 9920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in

Visit our website and social media to learn more:
JN Port: www.jnport.gov.in
LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority
X: @JNPort
Instagram: @jnpaport
Facebook: @JNPA
— Ends —

बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जेएनपीए ने परिचालन स्थिरता बनाए रखी; सभी प्रदर्शन मानकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मुंबई, 14 अप्रैल 2026: भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन, जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) ने मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक व्यवधानों के बावजूद प्रमुख प्रदर्शन मानकों को बनाए रखते हुए उल्लेखनीय परिचालन प्रदर्शित किया है। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अभी भी अनिश्चितता का सामना कर रही हैं, जेएनपीए ने सक्रिय योजना, संसाधनों के कुशल उपयोग और हितधारकों के साथ घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से पत्तन प्रचालन को सुचारु बनाए रखा है।

मुख्य सुचना निम्नलिखित हैं:

- जेएनपीए में आयात कंटेनरों का ड्वेल टाइम उल्लेखनीय रूप से बेहतर हुआ है, जो फरवरी 2026 के 25.17 घंटे से घटकर मार्च 2026 में 22.68 घंटे रह गया। यह माल निकासी की बढ़ी हुई दक्षता और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं को दर्शाता है।
- डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी (डीपीडी) और डायरेक्ट पोर्ट एंट्री (डीपीई) जैसे दक्षता-आधारित प्रमुख पहल मजबूत प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान डीपीडी 74.57% और डीपीई 45.74% पर रहा, जिससे माल की तेज आवाजाही और भीड़भाड़ में कमी सुनिश्चित हुई।
- औसत घूमाव समय 22.61 घंटे रहा, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी पोतों के कुशल प्रचालन को बनाए रखने की जेएनपीए की क्षमता को दर्शाता है।

ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों के प्रहस्तन में उल्लेखनीय वृद्धि होने के बावजूद, जिसमें मात्रा 5% से बढ़कर 16% हो गई है, जेएनपीए ने परिचालन दक्षता को बनाए रखा है। जेएन पत्तन पर पर्याप्त भंडारण क्षमता भी उपलब्ध है, जहां वर्तमान में कंटेनर रखने की कुल क्षमता का केवल लगभग 50% ही उपयोग में है। इसके अतिरिक्त, निर्यात कंटेनरों के भंडारण के लिए पत्तन परिसर में अतिरिक्त 9.2 एकड़ क्षेत्र आवंटित किया गया है। साथ ही, रीफर कंटेनरों की उपयोग दर भी लगभग 50% पर बनी हुई है।

जेएनपीए ने सक्रिय रूप से कदम उठाते हुए एक समर्पित टास्क फोर्स का गठन किया है, साथ ही टर्मिनल प्रचालकों और अन्य हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखा है तथा वास्तविक समय परिचालन निगरानी भी सुनिश्चित की है। 'बैक टू टाउन' (बीटीटी) के तहत ट्रैक्टर ट्रेलरों की आवाजाही, माल का अस्थायी ट्रांसशिपमेंट और भीड़भाड़ कम करने के लिए किए गए अन्य लक्षित उपायों के माध्यम से परिचालन स्थिरता सुनिश्चित की गई है।

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है।26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है| पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है।इसका संचालन न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एनएसडीटी) द्वारा किया जाता है। जनेप प्राधिकरण पत्तन पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बी.पी.सी.एल आई.ओ.सी.एल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय पत्तनों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद विआक्षे भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% हरित पत्तन होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +91 9920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जागतिक परिस्थितीतील बदलत्या घडामोडींमध्येही जेएनपीए ने कार्यक्षम स्थिरता कायम राखली असून सर्व कामगिरी निर्देशांकांमध्ये उत्कृष्ट कामगिरी दर्शवली आहे

मुंबई, 14 एप्रिल 2026: भारतातील सर्वात मोठे कंटेनर बंदर असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरणाने (जेएनपीए) मध्यपूर्वेतील सुरू असलेल्या राजकीय अस्थिरतेच्या पार्श्वभूमीवरही प्रमुख कार्यप्रदर्शन निर्देशांक कायम राखत उल्लेखनीय कार्यक्षमता दर्शविली आहे. जागतिक पुरवठा साखळ्या अजूनही अनिश्चिततेचा सामना करत असताना, जेएनपीएने पूर्वतयारी, संसाधनांचा कार्यक्षम वापर आणि भागधारकांशी घनिष्ठ समन्वय यांच्या माध्यमातून बंदरातील कामकाज सुरळीत ठेवण्यात यश मिळवले आहे.

मुख्य ठळक बाबी पुढीलप्रमाणे:

- जेएनपीए येथील आयात कंटेनर थांबण्याचा कालावधी लक्षणीयरीत्या सुधारला असून, तो फेब्रुवारी 2026 मधील 25.17 तासांवरून मार्च 2026 मध्ये 22.68 तासांपर्यंत कमी झाला आहे, जे वाढलेली माल हाताळणी कार्यक्षमता आणि सुव्यवस्थित प्रक्रिया दर्शवते.
- डायरेक्ट पोर्ट डिलिव्हरी (डीपीडी) आणि डायरेक्ट पोर्ट एन्ट्री (डीपीई) यांसारख्या कार्यक्षमतेवर आधारित उपक्रमांनी 2025-26 या आर्थिक वर्षात अनुक्रमे 74.57% आणि 45.74% कामगिरी नोंदवत मजबूत कामगिरी कायम ठेवली आहे, ज्यामुळे मालाची जलद हालचाल आणि गर्दी कमी होण्यास मदत झाली आहे.
- सरासरी टर्नअराउंड वेळ 22.61 तास आहे, जी आव्हानात्मक परिस्थितीतही जहाज हाताळणीची उत्कृष्ट कामगिरी राखण्याची जेएनपीएची क्षमता अधोरेखित करते.

ट्रान्सशिपमेंट कंटेनर हाताळणीत लक्षणीय वाढ होऊन त्याचे प्रमाण 5% वरून 16% पर्यंत गेले असतानाही जेएनपीएने कार्यक्षमतेची पातळी कायम राखली आहे. जेएन पोर्टमध्ये सध्या पुरेशी साठवण क्षमता उपलब्ध असून, कंटेनर साठवण क्षमतेपैकी केवळ सुमारे 50% जागा वापरात आहे. याशिवाय, निर्यात कंटेनर साठवणुकीसाठी बंदर परिसरात अतिरिक्त 9.2 एकर जागा उपलब्ध करून देण्यात आली आहे. तसेच, रीफर कंटेनरची वापरक्षमताही सुमारे 50% इतकी आहे.

जेएनपीएने एक समर्पित कार्यदल स्थापन करून, टर्मिनल ऑपरेटर आणि हितधारकांशी सतत समन्वय साधून, आणि प्रत्यक्ष कार्यान्वयन देखरेखीद्वारे सक्रियपणे प्रतिसाद दिला आहे. ट्रॅक्टर ट्रेलरची 'बॅक टू टाऊन' (बीटीटी) वाहतूक, मालाची तात्पुरती पुनर्वाहतूक आणि इतर गर्दी कमी करण्याच्या उपक्रमांसारख्या लक्ष्यित उपायांमुळे कार्यान्वयन स्थिरता सुनिश्चित झाली आहे.

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) विषयी माहिती:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी. न्हावा शेवा डिस्ट्रिब्युशन टर्मिनल प्रा. लि. (एनएसडीटी) द्वारे संचालित सामान्य मालासाठी एक उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ट १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण: अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA